दक्षता आधारित कार्य-पत्रक

विषय: हिन्दी कक्षा : नवीं

पाठ/प्रकरण का नाम : मेरे बचपन के दिन	**समयावधि :** 40 मिनट
विद्यार्थी का नाम : ----------	**पूर्णांक :** 20
अनुक्रमांक (रोल नं.) :	**दिनांक :** ...../...../.....

निर्देश:- **1. सभी प्रश्न अनिवार्य है| 2. कार्य-पत्रक में दिए गए स्थान पर ही उत्तर लिखें|**
3. लेखन कार्य की स्पष्टता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें|

	(गद्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।	5
	मेरी माता जबलपुर से आई तब वे अपने साथ हिंदी लाई। वे पूजा –पाठ भी बहुत करती थी। पहले -पहल उन्होंने मुझको "पंचतंत्र"पढ़ना सिखाया। बाबा कहते थे ,इसको हम विदुषी बनायेंगे। मेरे सम्बन्ध में उनका विचार बहुत ऊँचा रहा ।इसलिए पंचतंत्र भी पढ़ा मैंने,संस्कृत भी पढ़ी। ये अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू –फ़ारसी सीख लूँ,लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी। मैंने जब एक दिन मौलवी साहब को देखा तो बस ,दुसरे दिन मैं चारपाई के नीचे जा छिपी। तब पंडितजी आए संस्कृत पढ़ाने। माँ थोड़ी संस्कृत जानती थी। गीता में उन्हें विशेष रूचि थी। पूजा –पाठ के समय मैं भी बैठ जाती थी। और संस्कृत सुनती थी। उसके उपरांत उन्होंने मिशन स्कूल में रख दिया मुझको। मिशन स्कूल में वातावरण दूसरा था,प्रार्थना दूसरी थी। मेरा मन नहीं लगा। वहाँ जाना बंद कर दिया। जाने में रोने -धोने लगी। तब उन्होंने मुझको क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में भेजा,जहा मैं पांचवे दर्जे में भर्ती हुई।	
1.	**मेरी माता जबलपुर से आई तब वे अपने साथ हिंदी लाई। इस पंक्ति में हिंदी से क्या तात्पर्य है -**	1
	(क)हिंदी की पुस्तक	
	(ख)हिंदी नाम की कोई लड़की	
	(ग)हिंदी भाषा	
	(घ)उपर्युक्त में से कोई नहीं	
2.	**"पंचतंत्र" मेंकौनसा समास है-**	1
	(क)कर्मधारय समास	
	(ख)द्विगु समास	
	(ग)तत्पुरुष समास	
	(घ)द्वंद्व समास	
3.	**निम्नलिखित शब्दों में तत्सम शब्दों का समूह बताइए -**	1
	(क)प्रार्थना,दूसरी,छिपी	
	(ख)विदुषी,प्रार्थना,संस्कृत	

	(ग)विदुषी,दूसरी,संस्कृत	
	(घ)विदुषी,मिशन,संस्कृत	
4.	**कथन -लेखिका उर्दू – फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई** **कारण –लेखिका को उर्दूफ़ारसी सीखने में रूचि नहीं थी।**	1
	(क)कथन व कारण दोनों सही हैं।	
	(ख)कथन सही है और कारण गलत है।	
	(ग)कथन गलत है और कारण सही है।	
	(घ)कथन और कारण दोनों ही गलत है।	
5.	**महादेवी की माँ के बारें में निम्लिखित में से कौनसा कथन गलत है**	1
	(क) वे पूजा –पाठ भी बहुत करती थी।	
	(ख) माँ संस्कृत बहुत जानती थी।	
	(ग) गीता में उन्हें विशेष रूचि थी।	
	(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।	
	(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	महादेवी जी को अन्य किस नाम से जाना जाता है? 1. आधुनिक युग की मीरा 2. आधुनिक युग की राधा 3. कलम की सिपाही **4.** कलम की जादूगर	1
	(क) (2)	
	(ख) (4)	
	(ग) (1) और(2)	
	(घ) (1)	
7.	सुना है 'उस के पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे'परमधाम से लेखिका का क्या आशय है?-	1
	(क) लड़कियों के हॉस्टल का नाम	
	(ख) लड़की की हत्या कर देना	
	(ग) संन्यास की दीक्षा देना	
	(घ) तीर्थ यात्रा पर भेज देना	
8.	महादेवी वर्मा को काव्य प्रतियोगिता में क्या मिला था? **1.**एक शाल और गीतों की एक पुस्तक 2.प्रेमचंद का उपन्यास 3.चाँदी का कटोरा 4.पंचतंत्र कीपुस्तक	1

	(क) (1)	
	(ख) (2) और (3)	
	(ग) (3) और (4)	
	(घ) (3)	
9.	महादेवी वर्मा द्वारा वह पाठ किस विधा में लिखा गया है?-	
	(क) संस्मरण	
	(ख) डायरी	
	(ग) निबंध	
	(घ) कहानी	
10.	महादेवी किस वाद की कवयित्री मानी जातीहैं?	
	(क) छायावादोत्तर युग	
	(ख) प्रगतिवाद	
	(ग) प्रयोगवाद	
	(घ) छायावाद	
	(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	जेबुन्निसा महादेवी वर्मा के लिए बहुत काम करती थीं। जेबुन्निसा के स्थान पर यदि आप होतीं होते तो महादेवी से आपकी क्या अपेक्षा होती?	2
	उत्तर:- ----------	
12.	महादेवी वर्मा को काव्य प्रतियोगिता में चाँदी का कटोरा मिला था। अनुमान लगाइए कि आपको इस तरह का कोई पुरस्कार मिला हो और वह देशहित में या किसी आपदा निवारण के काम में देना पड़े तो आप कैसा अनुभव करेंगे /करेंगी ?	2
	उत्तर:- ----------	

egyanarchive

13.	महादेवी जी के इस संस्मरण को पढ़ते हुए आपके मानस-पटल पर भी अपने बचपन की कोई स्मृति उभरकर आई होगी, उसे संस्मरण शैली में लिखिए।	2
	उत्तर:- ----------	
14.	जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है?	2
	उत्तर:- ----------	
15.	मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ताहै। इस कथन के आलोक में आप यह पता लगाएँ कि- (क) उस समय लड़कियों की दशा कैसी थी? (ख) लड़कियों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं?	2
	उत्तर:- ----------	

egyanarchive

उत्तरमाला

प्रश्न	दक्षता/उद्देश्य	उत्तर	
		(गद्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1.	**अवबोध**	**उत्तर:-** (ग)हिंदी भाषा	1
2.	**अवबोध**	**उत्तर:-** (ख)द्विगु समास	1
3.	**भाषा बोध**	**उत्तर:-** (ख)विदुषी,प्रार्थना,संस्कृत	1
4.	**ज्ञानात्मक**	**उत्तर:-** (क)कथन व कारण दोनों सही हैं।	1
5.	**विषयवस्तु**	**उत्तर:-** (ख) **माँ संस्कृत बहुत जानती थी।**	1
		(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	**प्रत्यास्मरण**	**उत्तर:-** (घ) (1)	1
7.	**विषयवस्तु**	**उत्तर:-** (ख) लड़कीकीहत्याकरदेना	1
8.	**ज्ञानात्मक**	**उत्तर:-** (घ) (3)	1
9.	**भाषा बोध**	**उत्तर:-** (क) संस्मरण	1
10.	**अवबोधात्मक**	**उत्तर:-** (घ) छायावाद	1
		(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	**ज्ञानात्मक**	**उत्तर:-** बुन्निसा के स्थान पर अगर मैं महादेवी के लिए कुछ काम करती तो मैं संबंधों के आधार पर उनसे अपेक्षा करती ।अगर मैं नौकरानी के रूप में उनकी सहायता करती, तो उनसे मजदूरी के साथ-साथ प्रेम और आदर की भी अपेक्षा करती। अगर सखी के रूप में उनकी सहायता करती तो बस उनसे प्रेम और स्नेह चाहती। यदि उनकी प्रशंसिका या कनिष्ठ साथिन के रूप में सहायता करती तो कभी-कभी उनसे कविता भी सुन लेती तथा पढ़ाई में सहायता ले लेती ।	2
12.	**अवबोधात्मक**	**उत्तर:-**मुझे चाँदी के कटोरे जैसा कीमती पुरस्कार मिला हो और देशहित की बात आए तो मैं ऐसे पुरस्कार को खुशी-खुशी देता क्यों कि देश के हित से बड़ा कुछ नहीं। देश के हित में ही देशवासियों का हित निहित होता है। ऐसा करके मुझे दूनी खुशी प्राप्त होती और मैं गौरवान्वित महसूस करती ।	2
13.	**ज्ञानात्मक**	**उत्तर:-विद्यार्थी स्वयं लिखे।**	2
14.	**बोधात्मक**	**उत्तर:-**जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्ने जैसा इसलिए कहा है क्योंकि जवारा के नवाब और लेखिका का परिवार अलग-अलग धर्म-के होकर भी आत्मीय संबंध रखते थे। उनमें भाषा और जाति की दीवार बाधक न थी। दोनों परिवार एक-दूसरे के परिवारों को मिल-जुलकर मनाते थे। वे एक-दूसरे को यथोचित संबंधों की डोर से बाँधे हुए थे। वे चाची, ताई, देवर, दुलहन जैसे आत्मीयता भरे रिश्तों से जुड़े थे।ऐसा वर्तमान में दुर्लभ हो गया है।	2
15.		**उत्तर:-**उस समय, सन 1900 के आसपास भारत में लड़कियों की दशा अच्छी नहीं थी। प्रायः उन्हें जन्म देते ही मार दिया जाता था। उन्हें बोझ समझा जाता था। यदि उनका जन्म हो जाता था तो पूरे घर में मातम छा जाता था। महादेवी वर्मा अपने एक संस्मरण में लिखती हैं-' बैंडवाले, नौकर-चाकर सब लड़का होने की प्रतीक्षा में खुश बैठे रहते थे।जैसे हीलड़की होने का समाचार मिलता, सब चुपचाप विदा हो जाते । ऐसे वातावरण में लड़कियों को कम भोजन देना, उन्हें घर के कामों में लगाना, पढ़ाई-लिखाई से दूर रखना आदि बुराइयों का पनपना स्वाभाविक था।। **(ख)** आज लड़कियों के जन्म के संबंध में स्थितियाँ थोड़ी बदली हैं।पढ़े-लिखे लोग लड़का-लड़की के अंतर को धीरे-धीरे कम करते जारहे हैं। बहुत-से जागरूक लोग लड़कियों का भी उसी तरह स्वागत सत्कार करते हैं, जैसे लड़के का ।शहरों में लड़कियों को लड़कों की तरह पढ़ाया-लिखाया भी जाता है। परंतु लड़कियों के साथ भेदभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है ।आज जितनी भी भ्रूण-हत्याएँ हो रही हैं, लड़कियों के जन्म को रोकने के लिए हो रही हैं। देश में लड़के-लड़कियों का अनुपात बिगड़ता जारहा है। आश्चर्य की बात तो यह है कि महानगरों में सबसे कम लड़कियाँ चंडीगढ़ में हैं, जो देश का एक उन्नत शहर माना जाता है। वहाँ न शिक्षा कम है, न धन-वैभव। वास्तव में लड़कियों के जन्म को रोकना वहाँ के निवासियों की मानसिकता पर निर्भर करता है|	2